चेहरे के दोनों भाग अलग-अलग दिखते हैं?

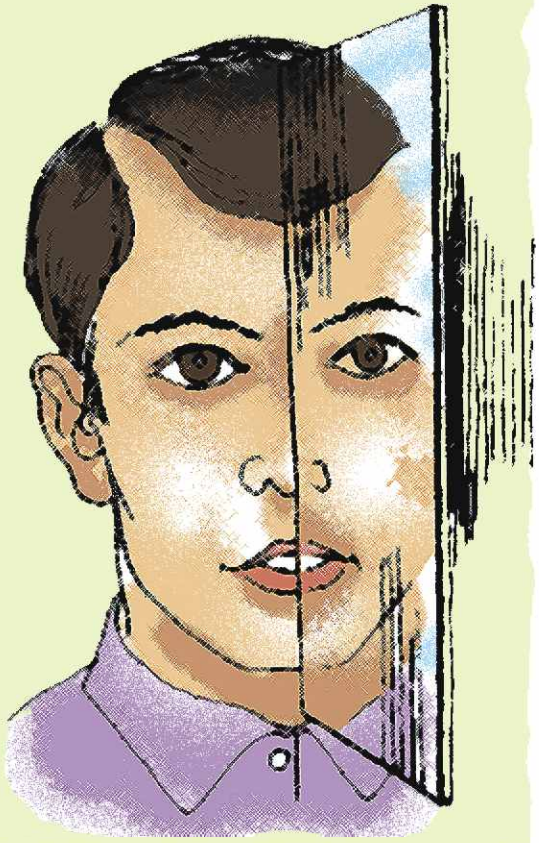

क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हारे दोस्त के चेहरे का दायाँ व बायाँ भाग एक जैसा दिखता है? क्यों ना एक प्रयोग करके देख लें? अपने दोस्त की एक फोटो और एक छोटा-सा आइना लो। आइना बिना फ्रेम का हो तो ज़्यादा अच्छा रहेगा। अब आइने को चेहरे के ठीक बीचोंबीच रखो जैसा कि चित्र में दिखाया है। तुम्हें फोटो का बायाँ हिस्सा व आइने में दिख रहे बाएँ भाग को मिलाकर पूरा चेहरा दिख रहा होगा। इन दोनों भागों को ध्यान से देखकर तुम जान सकते हो कि वे एक जैसे दिखते हैं या नहीं। चाहो तो, आइने को पलटकर फोटो के दाईं तरफ के पूरे हिस्से को भी इसी तरह देख सकते हो।

प्रयोग से साबित होता है कि चेहरे के दोनों भाग एक से नहीं दिखते। तुम चाहो तो अपनी फोटो लेकर अपने चेहरे के दोनों भागों के अन्तर देख सकते हो।

आइना नहीं दिखाता असली तस्वीर?

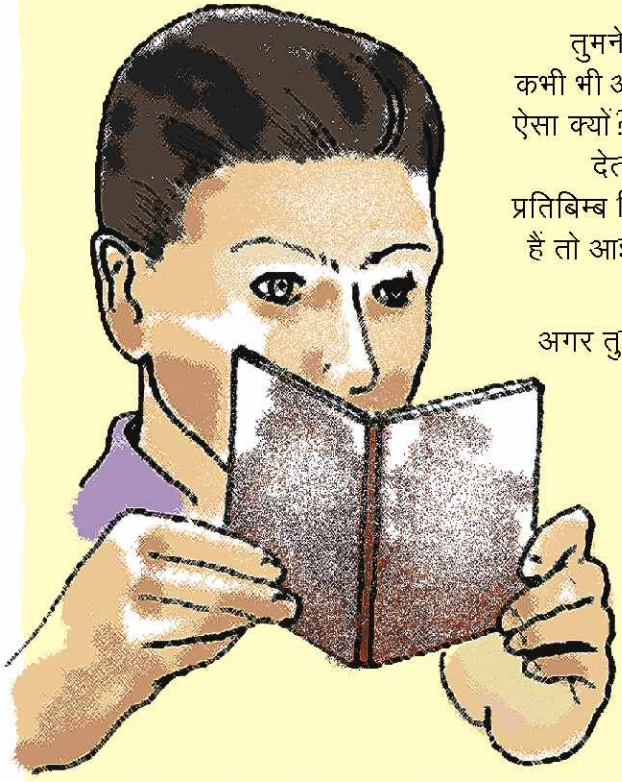

तुमने खुद को आइने में देखा ही होगा! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि हम कभी भी अपना वास्तविक प्रतिबिम्ब नहीं देख पाते हैं? तुम सोच रहे होगे कि ऐसा क्यों? आइने में खुद को देखते हैं तो हमें अपना चेहरा वैसा नहीं दिखाई देता जैसा कि दूसरों को दिखाई देता है। दरअसल हमें अपना उलटा प्रतिबिम्ब दिखाई देता है। और इसलिए जब हम अपनी बाईं आँख बन्द करते हैं तो आइने में हम दाईं आँख बन्द करते दिखाई देते हैं। या, जब हम अपने दाएँ कान को छूते हैं तो आइने में बायाँ कान छूते दिखाई पड़ते हैं।

अगर तुम्हारे पास दो छोटे आइने हों तो तुम अपना वैसा चेहरा देख सकते हो जैसा दूसरों को दिखाई देता है। दोनों आइनों को 90 अंश के कोण पर रखो। अब चित्र में बताए तरीके से आइने में देखो। थोड़े से अभ्यास के बाद तुम अपना वास्तविक प्रतिबिम्ब देख पाओगे। अब एक बार फिर अपनी बाईं आँख बन्द करो। इस बार आइने में भी तुम्हारी बाईं आँख ही बन्द होती दिखाई देगी। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले आइने में बना उलटा प्रतिबिम्ब परावर्तित होकर दूसरे आइने में दिखाई देता है। और एक उलटे प्रतिबिम्ब का उलटा प्रतिबिम्ब तो सीधा ही दिखेगा ना।